

भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1125

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल

1125. श्री गणेश सिंह:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा देश में पर्यटन के संवर्धन की योजनाओं के क्या नाम हैं और नई योजनाओं में जोड़े गए शहरों और जिलों के नाम क्या हैं, उनका मध्य प्रदेश राज्य सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का प्रस्ताव मध्य प्रदेश के झाँसी, ओरछा, खजुराहो, पन्ना टाइगर, कालिंजर, चित्रकूट, सतना, मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी, बांधवगढ़ रिजर्व टाइगर, बाणसागर-अमरकंटक से लेकर कान्हा नेशनल पार्क को अनुमोदन के पश्चात् राष्ट्रीय पर्यटक सर्किट में शामिल करना है;
- (ग) क्या सरकार को उपरोक्त सभी स्थानों पर वर्ष भर में लाखों लोगों के आने की जानकारी है;
- (घ) क्या सरकार उपरोक्त सभी स्थानों के विकास के लिए सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखती है; और
- (ङ) यदि हां, तो इस संबंध में प्रक्रिया सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय 'आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)' तथा 'विदेशों में संवर्धन और प्रचार (ओपीपी)' नामक अपनी योजनाओं के तहत विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपने चालू कार्यकलापों के भाग के रूप में यह मंत्रालय मध्य प्रदेश राज्य सहित भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान चलाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

मध्य प्रदेश में अनेक सुप्रसिद्ध और महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल हैं। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक मध्य प्रदेश की यात्रा करते हैं।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को

सहायता' नामक योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को हाल ही में स्वदेश दर्शन (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है।

उपर्युक्त योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता हेतु समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं का रूप दिया जाता है।

श्री गणेश सिंह द्वारा मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1125 के भाग (क) से (ड) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परिपथ / स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - दुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पैंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10	86.31
2.	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	74.02	72.75
3.	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82	89.49
4.	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	93.59

स्वदेश दर्शन 2.0

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	गंतव्य	हस्तक्षेप का नाम	स्वीकृत लागत
1.	ग्वालियर	फूलबाग अनुभव क्षेत्र	16.73
2.	चित्रकूट	चित्रकूट के घाटों से आध्यात्मिक अनुभव	27.21

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि
1.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73
2.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93

पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	केंद्रीय एजेंसी	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	आईटीडीसी द्वारा बेलताल झील, दमोह, मध्य प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना।	आईटीडीसी	2020-21	23.16	10.08